an>

Title: Need for transparency in examination conducted by the Staff Selection Commission.

श्रीमती अनुप्रिया पटेल (मिर्ज़ापुर): महोदय, मैं आपकी अनुमति से सदन का ध्यान कर्मचारी चयन आयोग (एस.एस.सी.) की संयुक्त स्नातक स्तरीय भर्ती, 2013 मुख्य परीक्षा में गड़बड़ी की ओर आकृष्ट कराना चाहती हूं जिसके खिलाफ 10 हजार से अधिक प्रतियोगी छात्रों ने 5 नवम्बर, 2014 को उत्तर प्रदेश के जनपद इलाहाबाद में प्रदर्शन किया तथा परीक्षा रद्द करने की मांग करते हुए कर्मचारी चयन आयोग के मध्य क्षेत्र कार्यालय में ताला जड़ दिया। छात्रों में यह आक्रोश निरन्तर बढ़ रहा है, क्योंकि क्षेत्रीय निदेशक ने 48 घंटे में कुछ न कुछ कार्यवाही करने का आश्वासन देकर भी कुछ नहीं किया। छात्रों को परीक्षा के परिणामों पर अनेक आपत्तियाँ हैं। जैसे - कर्मचारी चयन आयोग, 2013 में अनुपस्थित छात्रों का नाम री-एग्जाम के टीयर-टू की सफलता सूची में कैसे है? एक ही शहर विशेष से 40 प्रतिशत से ज्यादा छात्र कैसे परीक्षा में सफल हो रहे हैं? पिछले वर्ष की अपेक्षा कटऑफ अचानक लगभग 100 अंक तक कैस बढ़ गया? वर्तमान समय में हो रही सी.जी.एल.-14 तथा सी.जे.एस.एल.-14 में व्यापक स्तर पर धांधली पकड़ी जा रही है। 19 जनवरी को जारी सी.जी.एल-13 के नोटिफिकेशन में वर्णित परीक्षा प्रारूप में कैसे परिवर्तन हो गया?

प्रतियोगी छात्रों की यह माँग है कि सी.जी.एल.-13 के री-एग्जाम को तत्काल निरस्त किया जाए। टीयर-1 और टीयर-2 के परीक्षाफल एवं अंक पीडीएफ फाइल में अभ्यार्थियों के टिकट नम्बर तथा रोल नम्बर समेत जारी किए जाएं, साथ ही सीजीएल-13 के डिबार एवं अनुपस्थित अभ्यार्थियों की सूची को भी सार्वजनिक किया जाए।

अतः सदन के माध्यम से मेरा सरकार से अनुरोध है कि इस प्रकरण को तत्काल संज्ञान में लेते हुए छात्रों के हित में प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।